प्रेस विज्ञप्ति

दीव की जनता को यह बताते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दीव में ओशिनेरियम बनाए जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस ओशिनेरियम को दीव में लगाए जाने हेतु माननीय प्रशासक ने विशेष रूप से रूचि ली है। माननीय प्रशासक इसके लिए संबंधित मंत्रालय के अधिकारियों से संपर्क में हैं। हाल ही में माननीय प्रशासक के पहल पर संबंधित मंत्रालय के अधिकारियों ने दीव का दौरा किया था। इस मंत्रालय के अधिकारियों ने दमण-दीव प्रशासन से इस कार्य के लिए सहयोग मॉगा है जिसे माननीय प्रशासक ने हर-संभव सहायता देने का आश्वासन दिया है। दीव प्रशासन इस परियोजना के लिए 35 एकड़ जमीन देने को तैयार है जिस चिह्नित भी कर लिया है। संबंधित मंत्रालय के अधिकारियों ने स्थल का मुआयना भी किया था। इस परियोजना हेतु तकनीकी अध्ययन का काम चल रहा है और यदि संभव हुआ तो अगस्त में मंत्रालय के अधिकारी पुन: इस स्थल का दौरा करेंगे। यह ओशिनेरियम लगभग 500-600 करोड़ की लागत से बनकर तैयार होगा। यह प्रोजेक्ट दीव के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट होगा। देश-विदेश के पर्यटक इसे देखने के लिए दीव में आएंगे और अपना अनुभव बॉटेंगे। इस ओशिनेरियम के दीव में बन जाने से दीव में आनेवाले पर्यटकों में अभूतपूर्व वृद्धि होगी जिससे दीव की आमजनता के जीवन स्तर में निश्चय ही बढ़ोतरी होगी। यह प्रोजेक्ट पर्यटन के क्षेत्र में दीव के लिए मील का पत्थर साबित होगा। अगर पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इसे दीव मे बनाने हेतु स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह भारत में अपनी तरह का अकेला ओशिनेरियम होगा और निश्चय ही यह प्रोजेक्ट माननीय प्रशासक, दमण-दीव एवं दादरा नगर हवेली के अथक प्रयास का ही परिणाम होगा। इसका पूरा श्रेय माननीय प्रशासक दमण एवं दीव को ही जाएगा। इस प्रोजेक्ट के बन जाने से भारत के साथ-साथ दीव भी विश्व के मानचित्र पर आ जाएगा।